



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 139] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 12, 1994/भाद्र 21, 1916
No. 139] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 12, 1994/BHADRA 21, 1916

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1994

प्रारम्भिक निष्कर्ष

विषय :- चीन जनवादी गणराज्य भूत के आइसोबुटाइन बेंजीन के आयात के संबंध में पाठनरोधी जांच प्रारम्भिक निष्कर्ष ।

सं. 14/50/93-टी पी डी.-आ. भारत सरकार ने वर्ष 1982 में यथासंशोधित सोमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सोमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर शुल्क अथवा प्रतिशित शुल्क की पहचान, मूल्यांकन तथा संग्रहण और क्षति या निवारण) नियमावली, 1985 को ध्यान में रखते हुए,

ग. क्रियाविधि :- (1) जबकि नामोदिष्ट प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमों के अन्तर्गत अगस्त, 1993 में इंडियन आई बी मेन्सुफेक्चरर्स एसोसिएशन, बंबई से, जो कि भारत में आइसोबुटाइन बेंजीन का कुल देशज उत्पादन करते हैं, एक ऐसी लिखित शिकायत प्राप्त की है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य भूत के आइसोबुटाइन बेंजीन (जिसका इसके बाद आई बी बी के रूप में उल्लेख हुआ है) की डम्पिंग का आरोप लगाया गया है;

(2) जबकि नामोदिष्ट प्राधिकारी ने भारतीय सोमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के शीर्षक 2933.40 के तहत और भारत व्यापार वर्गीकरण (सुमेनित वस्तु विवरण तथा योग्य प्रणाली पर आधारित) के तहत शीर्षक 2914.40.08 के अधीन आने वाले चीन

जनवादी गणराज्य भूत के आई बी बी के भारत में आयात के संबंध में पाठनरोधी कार्यवाही किए जाने हेतु भारत के राजपत्र में दिनांक 07-01-94 की सार्वजनिक सूचना द्वारा घोषणा की थी ।

(3) जबकि नामोदिष्ट प्राधिकारी ने ज्ञात संबंधित निर्यातकों तथा आयातकों, निर्यातक देश के प्रतिनिधियों और शिकायतकर्ता को सरकारी तौर पर सवाह दो थी और उन्हें हम बात के लिए मौका दिया कि वे लिखित रूप में अपने-अपने ज्ञान विचार प्रकट करें और मुनवाई के लिए अनुमोद करें ।

(4) जबकि नामोदिष्ट प्राधिकारी ने निम्नलिखित निर्यातकों से संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रस्तावकी भेजी थी :-

1. मैसर्स शेनयोंग वेस्टरमाइड फैक्ट्री, चीन
2. मैसर्स गिनोकेम लिफ्टोनिंग, चीन
3. मैसर्स गिनोकेम, जिनान श्रांज, चीन
4. मैसर्स तांगेजिन केमिकल्स, जिन्जिन, चीन
5. मैसर्स कुशन नं. 4, केमिकल प्लांट, कुशन, चीन
6. मैसर्स होंगान केमिकल प्लांट, धोतन प्रोविंस, चीन

(5) जबकि जांच आरम्भ किए जाने के बारे में चीन जनवादी गणराज्य से गई दिल्ली स्थित बूनावाग को भी सूचित किया गया था और उनसे अनुमोद किया गया था कि वे चीन के निर्यातकों/उत्पादकों को सवाह दे कि वे उन्हें भेजी गई प्रस्तावकी का दिनांक 28 फरवरी, 1994 तक उत्तर भेज दें। उस प्रस्तावकी का उत्तर भेजने की अंतिम तारीख

एकपक्षीय तौर पर दिनांक 31-3-1994 तक बड़ा दी गई ताकि निर्यातक अपनी-अपनी उत्तर भेज सकें। चीन के विदेश व्यापार एवं आर्थिक सहयोग से मंत्रालय के अंतर्गत पर अन्तिम तारीख को और आगे बढ़ाकर 30 अप्रैल, 1994 कर दिया गया। तदनुसार, सार्वजनिक मुतवादी की तारीख को भी दिनांक 18 अप्रैल, 1994 से आगे बढ़ाकर दिनांक 18 मई, 1994 कर दिया गया। निर्यातकों ने न तो अपना उत्तर भेजा और न ही वे दिनांक 18 मई, 1994 को हुई सार्वजनिक मुतवादी में ही उपस्थित हुए।

(6) जबकि प्रस्तावनी आई बी सी के ज्ञात आयातकों तथा प्रयोक्ताओं और बल्क वूमन मैनुफैचरर्स एसोसिएशन, हैदराबाद को भी भेजी गई थी। दिनांक 18 मई, 1994 को हुई सार्वजनिक मुतवादी में याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग और निम्नलिखित आयातकों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे :—

(1) मेसर्स गुमिला फार्मास्यूटिकल्स एण्ड केमिकल्स लि., (2) मेसर्स चेमिनोर ड्रग्स लि. और (3) मेसर्स सी. वेल ड्रग्स प्रा. लि.।

2. याचिकाकर्ताओं ने निम्नलिखित बिन्दुओं पर प्रकाश डाला—

(क) कि निर्यातक/निर्यातक देश अर्थात् चीन जनवादी गणराज्य का कोई भी प्रतिनिधि मुतवादी में उपस्थित नहीं हुआ और न ही उन्होंने प्रस्तावनों का ही उत्तर दिया;

(ख) कि चीन जनवादी गणराज्य मूल के आई बी सी निर्यात कीमत से निरन्तर गिरावट आ रही थी और वह उनके सामान्य मूल्य से भी कम हो गई थी;

(ग) कि चीन से हुए आयात से भारतीय उत्पादकों को वास्तविक क्षति हुई और उग्र फलस्वरूप भारतीय उत्पादक घरेलू कीमत को अपनी उचित वित्तीय कीमत से कम करने के लिए बाध्य हो गए। इस प्रकार, उन्हें बहुत हानि हुई;

(घ) कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, (हानि प्रमाणित होना) की धारा 9ख(1) के उपबन्ध केन्द्रीय सरकार द्वारा संगत अधिबुचना जारी नहीं किये जाने के कारण चीन के लागू नहीं होते।

3. सार्वजनिक मुतवादी में आई बी सी आयातकों और प्रयोक्ताओं और उनकी एसोसिएशन द्वारा व्यक्त तथा उनके लिखित निवेदनों से व्यक्त विचार संक्षेप में निम्नानुसार हैं :—

(क) कि भारत सरकार ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9ख(1) के प्रयोजन के लिए चीन जनवादी गणराज्य को जून 1994 में अधिसूचित कर दिया था। अतः घरेलू उद्योग को होने वाली हानि प्रमाणित करना आवश्यक था।

(ख) कि आई बी सी का आयात आईबूप्रोफिन के विनिर्माण और निर्यात हेतु किया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका तथा ब्रिटेन के बाद भारत आईबूप्रोफिन के प्रमुख उत्पादक और निर्यातक के रूप में स्थापित हो गया था। पाटनरोधी शुल्क लगाने से आईबूप्रोफिन के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था। फलस्वरूप प्रयोक्ता उद्योग के मामले सम्झौते आ सकती थी।

(ग) कि भारतीय आई बी सी विनिर्माता इष्टतम स्तर पर, नहीं चल रहे थे जिससे उनके सामने अत्यधिक प्रभावों और ऊँची लागत का समस्या आ गई।

(घ) कि सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए पर्याप्त सामग्री उपलब्ध नहीं थी।

(ङ) कि आई बी सी अंतर्गामीय कीमते समान स्तर पर प्रचलित रही थी।

नामोनिदिष्ट प्राधिकारी या निर्यात

9. नामोनिदिष्ट प्राधिकारी (डी.ए.) ने ऊपर उल्लिखित तथ्यों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों हट विचार कर लेने और संगत विचारों को देखने के बाद यह पाया कि :—

(1) चीन जनवादी गणराज्य की धारा 9(ख)(1) के तहत अधिसूचित कर दिया गया है। अतः परमात्र राष्ट्र करार का ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार का क्रियाविधि भेद नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए, इसमें, क्षति और कारणबंध को सिद्ध करना होगा। नामोनिदिष्ट प्राधिकारी को उपरोक्त अवस्थाओं के अनुसार चयन पड़ा जैसा कि निम्नलिखित विवरण से विहित हो सकेगा।

(2) इस बात पर विशद नहीं है कि भारतीय आई बी सी उत्पादकों को अपनी उचित वित्तीय कीमतों से कम कीमतों पर मात्र बेचना पड़ा।

(3) यह बात सच हो सकती है कि भारतीय आई बी सी की लागत इसलिए अनुकूल नहीं रही हो क्योंकि वर्ष 1992-93 में क्षमता उपयोग कम रहा हो। किन्तु वर्ष 1993-94 में क्षमता उपयोग 92 प्रतिशत रहा था। नामोनिदिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षमता का निर्धारण करने समय इस पहलू को उचित धार्यता दी है।

(4) आयातकों के इस तर्क को सिद्ध नहीं किया गया कि सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु पर्याप्त सामग्री नहीं थी।

(5) नामोनिदिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवश्यक समशी गई जानकारी मांगी और उसका सत्यापन किया। इस दिशा में निम्नलिखित उत्पादकों के परिचयों में एक जांच का गई :—

(1) मेसर्स वितामी प्रागोनिक्स लि.

(2) मेसर्स हंडिलिया केमिकल्स लि.

(6) जांच में दिनांक 1 अप्रैल, 1993 से 31 दिसम्बर, 1993 तक की अवधि कवर की गई।

(7) निर्यातकों से कोई उत्तर नहीं मिलने से नामोनिदिष्ट प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर और उपरोक्त नियम 14 के अनुसार प्रारंभिक निष्कर्ष निकाले हैं।

घ. विचाराधीन उत्पाद, मूल्य उत्पाद और भारतीय उद्योग

(क) विचाराधीन उत्पाद और मूल्य उत्पाद

8 इस जांच में जो उत्पाद कवर किया गया है वह आईबोवुटाइन बेंजीन है जो भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के शीर्ष के 2933.40 के तहत और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (मुंमलिन वस्तु विवरण और शोडिंग प्रणाली पर आधारित) के तहत स. 2933.40.08 के तहत आता है।

9 इस उत्पाद का विनिर्माण टोल्युएन, फोरोलीन, मैथानोल्, पोटेशियम कार्बोनेट, सोडियम धातु आदि से होता है। वह एक कार्बनिक खण्डदार मध्यम रंगहीन द्रव है जिसका आणविक घनत्व लगभग 0.852 होता है। इसे 2-मिथाइल-1 फिवाइल प्रोपीन के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रयोग आईबूप्रोफिन-गुन पैकजिंग, एंटीडिप्रेसेंटरी दवाओं के विनिर्माण में किया जाता है। चीन जनवादी गणराज्य में निर्यातित आई बी सी हर तरह से कुल मिथाइल भारत में उत्पादित तथा विनिर्माण आई बी सी जैसा हो है।

ङ भारतीय उद्योग

10. याचिका मैसर्स वितामी प्रागोनिक्स लि., सी-12 एवं सी-13/1 एम आई सी इण्डस्ट्रियल एरिया, महद-402301, जिला रायचूर, महाराष्ट्र और मेसर्स हंडिलिया केमिकल्स लि., एयर इण्डिया बिल्डिंग, नारिमन पोस्ट, बम्बई 400023 की ओर से दायर की गई है। भारत में आई बी सी का विनिर्माण केवल इन्हीं दो उत्पादकों द्वारा किया

जाता है। इसीलिए, सीमाशुल्क टैरिफ, (इस की गई वस्तुओं पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क की पहचान करना, मूल्योक्त तथा संग्रहण और धनि का निर्धारण) नियमावली, 1985 के नियम 2(ग) के अनुसार वे ही घरेलू उद्योग हैं।

ब. सामान्य मूल्य

11. याचिका कर्ताओं ने न तो चीन के आई बी बी की घरेलू कीमतों की जानकारी प्रस्तुत की और न ही उन्होंने इस उत्पाद को किसी तीसरे देश को निर्यात किए जाने समय की तुलनीय कीमत की जानकारी प्रस्तुत की क्योंकि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि सामान्य मूल्य उनकी उत्पादन लागत के अनुसार निर्धारित किया जाये। चूंकि चीन की उत्पादन-लागत के बारे में उपलब्ध नहीं थे और किसी भी निर्यातक ने उन्हें भेजी गई प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में तथ्यपूर्ण जानकारी प्रस्तुत नहीं की थी, इसलिए, नार्मोडिस्ट प्राधिकारी ने आई बी बी की उत्पादन-लागत के बारे में भारत में सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का निर्णय लिया।

छ. निर्यात कीमत

12. चूंकि किसी भी निर्यातक ने संगत जानकारी उपलब्ध कराने हेतु प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया इसलिए, याचिकाकर्ताओं की रिपोर्ट के अनुसार बेचे गए उत्पाद के लिए वास्तव में दी गई कीमत के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई थी जो कि विश्वसनीय-पाई गई। निर्यात कीमत भी प्रश्नावली का उत्तर देने वाले तीन आयातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से सहसंबद्ध की गई। सी आई एफ निर्यात कीमत का समायोजन एक जो बी कीमत की गणना करने के हेतु बीमा और भाड़े के लिए किया गया। आन्तरिक परिवहन लागत संबंधी आंकड़ों के अभाव में एक ओ बी कीमत को एक्स-फैक्ट्री कीमत मान लिया गया।

ज. तुलना

13. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना करने के प्रयत्न के लिए, और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9(क)(2) और उपबंधनियम 11 के अनुसार, चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों जिन्हें अपनी-अपनी ओर से संगत जानकारी उपलब्ध कराने हेतु काफी समय दिया गया था, से कोई भी प्रत्युत्तर नहीं मिलने के कारण प्राधिकारी ने अपने पास सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी पर विचार किया। जांच की अवधि के दौरान प्राप्त औसत निर्यात कीमत की तुलना सामान्य कीमत से की गई थी।

झ. डम्पिंग मार्जिन

14. जैसा कि ऊपर निर्धारित किया गया है, सामान्य मूल्य (एक्स-फैक्ट्री स्तर पर) की तुलना जांच-प्रति के दौरान प्राप्त की गई औसत एक ओ बी कीमत (जो कि एक्स-फैक्ट्री कीमत ही रही थी) के साथ की गई। नार्मोडिस्ट प्राधिकारी ने डम्पिंग मार्जिन आयात के औसत सी आई एफ मूल्य के 39.5% की दर से निर्धारित किया।

ट. धनि

15. उपबंधनियम 18 के तहत जब धनि के बारे में कोई निष्कर्ष निकाला जाता है तो, ऐसे निष्कर्ष में उन तथ्यों की जांच शामिल होती जिसे नार्मोडिस्ट प्राधिकारी परिस्थितियों के अंतर्गत संगत समझता हो। उनमें इस किए गए आयात की मात्रा और मुख्य उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में उनकी कीमतों पर पड़ने वाला प्रभाव और ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयात का परिणामी प्रभाव शामिल है।" कीमतों पर इस किए गए आयातित माल के पभाव पर विचार करने में यह आवश्यक समझा जाता है कि हम जानें कि आंच की जाण कि क्या इस किए गए आयात से भारत में किसी सम्पूर्ण

उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में कोई अधिक गिरावट आई है, अथवा क्या कीमतों को किसी विशेष स्तर तक घटाने अथवा किसी विशेष स्तर तक कीमत वृद्धि, जोकि अन्यथा हुई होती, को रोकने के लिए, ऐसे आयात या अन्यथा प्रभाव पड़ा।

16. भारत में उद्योग पर प्रभाव की जांच के लिए नार्मोडिस्ट प्राधिकारी ने उन विषयों पर विचार किया जो उद्योग के उत्पादन प्रवृत्ति, क्षमता उपयोग, विपरी स्टॉक, लाभ प्रवृत्ति और निवल बिक्री आय की स्थिति से संबंधित थे।

ड. आयात की प्रवृत्ति-मात्रा तथा कीमत प्रभाव

17. (क) याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाए हैं कि चीन जनवादी गणराज्य मूल के आई बी बी का आयात जो 1990-91 में 162.06 मी.टन था, 1991-92 में घटकर 783 मी.टन तथा 1992-93 में 731.95 मी.टन हो गया।

(ख) अप्रैल से दिसम्बर, 1993 के दौरान चीन जनवादी गणराज्य से आयात कम होकर 287 मी. टन रह गये। आयात की औसत कीमत में कमी होने के बावजूद आयात में आई गिरावट का कारण बड़े 1992 के उत्तरार्द्ध में घरेलू उद्योग के उभर कर सामने आने के फलस्वरूप कम दर पर देशी उत्पाद का उपलब्ध होना है। चीन से आयात की जाने वाली आई बी बी की कीमत में 1990 तथा 1993-94 के बीच महत्वपूर्ण कमी आई है। औसत कीमत जो 1990 में 3098 डॉलर प्रति मी. टन थी, वर्ष 1991 में घटकर 2757 डॉलर, 1992-93 में घटकर 2158 डॉलर और जांच की अवधि के दौरान घटकर 1945 डॉलर हो गई। वर्ष 1993-94 में कीमत में वर्ष 1990 के मूल्य में 20% और 1992-93 के मूल्य में 20.8% की कमी आई।

ड. उत्पादन की प्रवृत्ति और क्षमता उपयोग

18. आई आई बी के लिए, भारतीय उद्योग ने जुलाई, 1992 में ही उत्पादन शुरू किया। आरम्भ में उत्पादन बेजोत का कुल उत्पादन 1992-93 (9 महीनों) में 860 एम टी था तथा 1993-94 (अप्रैल से दिसम्बर, 1993 में) 1512 एम टी हुआ जिसमें वृद्धि का रुख रहा। क्षमता उपयोग 51 प्रतिशत से 92 प्रतिशत तक बढ़ा है।

ड. बिक्री प्रवृत्ति

19. आई बी बी की कुल बिक्री 1992-93 (9 महीनों) में 717 एम टी हुई जो अप्रैल दिसम्बर, 1993 के दौरान बढ़कर 1607 एम टी हो गई। इस प्रकार इसमें वृद्धि का रुख रहा।

इ. कीमत प्रवृत्ति

20. भारतीय उद्योग वर्ष 1992-93 में अपनी बिक्रीयों पर औसतन 121.03 रु. प्रति निश्चित, व्युत्पन्न करने में सक्षम था। वर्ष 1993-94 में औसत कीमत में 29% की गिरावट आई अर्थात् कीमत गिरकर 85.96 रु. प्रति किया, हो गई जिसका सीधा सम्बन्ध चीन से आयात किए जाने वाले आई बी बी की कीमतों से आई गिरावट से है।

ण. स्टॉक प्रवृत्ति

21. दिनांक 31 मार्च, 1993 को आई आई बी का समाप्त स्टॉक 140.3 एम टी था और दिनांक 31 दिसम्बर, 1993 को 57.1 एम टी था। इस प्रकार इसमें गिरावट 5. रु. रहा।

त. लाभप्रदता का रख और निवल बिक्री अधिप्राप्ति:

22 (क) दोनों कम्पनियों को जो घरेलू उद्योग हैं, वर्ष 1993-93 तथा 1993-94 में हानि हुई। वर्ष 1993-94 में कम औसत कीमतों की वजह से हानि की स्थिति बदतर हो गई। कुल हानि जो 1992-93 में 249.71 लाख रुपये थी, 1993-94 में बढ़कर 284.39 लाख रुपये हो गई। ऐसा उत्पादन और बिक्रियों में घट्टि के बावजूद हुआ।

(ख) इस प्रकार, घरेलू उद्योग को बाजार में बने रहने के लिए आई बी वी की कमोबेज आयातित कीमत के बराबर करने हेतु अपनी बिक्री कीमतों को कम करना पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप तब सृजित घरेलू उद्योगों को भारी हानि हुई है। निम्नलिखित सारणी से इस रख का पता चलता है:—

प्रवधि	औसत उत्तराई कीमत	औसत घरेलू कीमत
	रु. प्रति किग्रा.	रु. प्रति किग्रा.
मई, 93	104.60	94.41
जून, 93	93.62	84.40
अक्टूबर, 93	89.80	81.20
दिसम्बर, 93	85.41	78.14

उपर्युक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि वर्ष 1992-93 में 121 रुपये की जो औसत घरेलू कीमत थी, उसको वर्ष 1993-94 में चीन जनवादी गणराज्य से आने वाले आई बी वी की निरत कीमत के अनुरूप लाना पड़ा। भारतीय उद्योग द्वारा हरवार कीमत में कमी की गई, फिर चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों द्वारा कीमत में और कमी की गई।

ध. उत्पादन लागत और उचित बिक्री कीमत:

23. नामोहिष्ट प्राधिकारी ने पाया कि निरती हुई आयात कीमतों ने घरेलू कीमतों को बढ़ने से इस हद तक रोका कि उत्पादन की लागत को भी पूरा नहीं किया जा सका। कीमत में की गई कमी घरेलू उपज. कर्ताओं में से सबसे अधिक सक्षम इकाई द्वारा उत्पादित आई बी वी की उचित बिक्री कीमत के आधार पर लगभग 21,093 रु. प्रति एम टी थी।

व. नुकसान:

24. हालांकि चीन से आयात की मात्रा में कमी आई है और उत्पादन क्षमता उपयोग, घरेलू उद्योग की बिक्रियों और स्टॉक प्रवृत्तियों जैसे कारकों में सुधार हुआ है, फिर भी नामोहिष्ट प्राधिकारी ने पाया कि आपूर्ति के क्षेत्र के निर्धारण में ग्राहकों के लिए कीमत एक महत्वपूर्ण कारक था इसलिए, उत्पादन, बिक्रियों आदि में जो सुधार हुआ वह इसलिए हुआ कि घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों आयातित कीमतों के बराबर रखने के लिए कम करनी पड़ी। घरेलू उत्पादकों को ऐसे कीमत-स्तर पर बिक्री करने से रोक दिया गया है जिससे कि सर्वाधिक कुशल उत्पादक को भी यथोचित लाभ मिल जाता।

इस प्रकार, नामोहिष्ट प्राधिकारी को इस आशय का अपरिहार्य निष्कर्ष लेना पड़ा। उपर दिये गये आयात की कीमत निर्धारण से घरेलू उत्पादकों का वार्षिक क्षति हुई है।

घ. कारण सम्बन्ध

25. उम्प किये गए आयातों से भारतीय उद्योग को क्या वास्तविक हानि हुई है, इसका निर्धारण करने समय, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा:

(i) आयात की कीमत में कमी जो पिछले कुछ वर्षों के दौरान आयी है वह तब और अधिक हो गई जब से दो भारतीय उपजकर्ताओं ने आइसो व्यूटाइल बेन्जीन का विनिर्माण शुरू किया; और

(ii) इन निर्यातकों द्वारा सामान्य स्तर से भी कम कीमत किए जाने के घरेलू उद्योग को इसके लिए बाध्य होना पड़ा कि वह अपने उत्पाद को बेचने के लिए अपनी बिक्री कीमत को उत्पादन लागत के स्तर से भी कम करे और यह घटना घरेलू उद्योग के अस्तित्व के आने के साथ ही हुई।

न. भारतीय उद्योग के हित

26. (क) पाटनरोधी शृंखला का उद्देश्य यह है कि सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त किया जा सके जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खूनो और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति लाई जा सके जोकि देश के सामान्य हित में है।

(ख) प्राधिकारी ने माना कि पाटनरोधी शृंखला लगाने से आई बी वी से विनिर्मित और निर्यातित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप निर्धारित बाजार में उनके उत्पादों की अपेक्षा प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु ऐसा विचार नहीं है कि पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम हो जाएगी। विशेषकर तब जबकि पाटनरोधी शृंखला की सेवा नुकसान को कम करने की आवश्यकता राशि तक ही सीमित कर दी जाए। इसके विपरीत उम्पिंग द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि भारतीय के उद्योग के ह्रास को रोका जाए और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहे।

(ग) इस तथ्य को देखते हुए कि आई बी वी का देशी तौर पर विनिर्माण करने के लिए पहली बार क्षमता सृजित की गई है और भारतीय उद्योग उम्प किये गये आयातों की वजह से अर्थात् स्थिति में पहुँच गया है, प्राधिकारी समझता है कि देश के अन्तर्गत भारतीय उद्योग के समाप्त हो जाने का काफी सम्भावना है।

य. अन्य पाठियों के हित:

27(क) ये तर्क उठाए गए हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू करना भारतीय सार्वजनिक हित के विरुद्ध होगा क्योंकि उक्त उपायों के फलस्वरूप प्रतिस्पर्धा कम हो जाएगी तथा श्वोप्रोपेज के उपभोक्ताओं के लिए कीमतें अधिक होंगी और इससे भारत के निर्यात को हानि हो सकती है।

(ख) हालांकि यह स्पष्ट है कि अनुचित कार्य-व्यापार पर आधारित कीमत लाभों को न्यायोचित नहीं कहा जा सकता और दीर्घावधि में वे उपभोक्ताओं के हितों के लिए भी तब हानिकार हो सकते हैं जब उक्त कार्य-व्यापार के फलस्वरूप प्रतिस्पर्धा कमजोर हो जाए और उनका कारोबार ठप्प होने लगे। कई मर्कों के बारे में यह पहले का अनुभव है कि एक बार घरेलू उद्योग के गायब होने से उपभोक्ताओं के लिए कीमतें कृत्रिम रूप से बढ़ी हैं? आइसोप्रोपेन के उपभोक्ताओं के लिए किसी भी रूप में संरक्षितक अथवा दण्डात्मक उपाय करने से कीमतें अधिक नहीं होंगी क्योंकि आइसोप्रोपेन बेन्जीन केवल एक ऐसा कच्चा मान है जिसे उपभोक्ता तक पहुँचने के पूर्व संसाधित करना होता है।

(ग) जहाँ तक संसाधक उद्योग का सम्बन्ध है, इस तथ्य को देखते हुए कि भारतीय उत्पादकों और निर्यातकों के बीच प्रतिस्पर्धा कम नहीं की जाएगी, ऐसा उम्भोव है कि कीमत-वृद्धि सीमित रहेगी।

परिणाम :

28(क) तदनुसार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचा है कि :

- (i) चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातकों ने भारत में आईबीबी सामान्य मूल्य से कम कीमत पर बेचा है ;
- (ii) भारतीय उद्योग को वास्तविक नुकसान उठाना पड़ा है ; और
- (iii) भारतीय उद्योग को हुई वास्तविक क्षति उम्मा किये गए आयात को अज्ञह से हुई है ।

(ख) निष्कर्ष रूप में, प्राधिकारी का विचार है कि इस मामले में पाटनरोधी उपाय अपनाए जाने से पाटन के हानिकारक प्रभावों का समाप्त करके उचित प्रतिस्पर्धा को पुनर्स्थापित किया जा सकेगा ।

(ग) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति से बचाने के लिए प्राधिकारी के विचार से अनन्त पाटन-रोधी शुल्क लगाना आवश्यक है । इस मामले में नामोदिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य तथा डम्पिंग का माजिन निम्नवत् निर्धारित किया है :

	डालर/एम टी	रुपये/एम टी
सामान्य मूल्य	260.3	81995
निर्यात कीमत	18.34	57771
डम्पिंग का माजिन	769	24224

(घ) नामोदिष्ट प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या डम्पिंग माजिन से कम शुल्क लगाना, क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा । इस उद्देश्य के लिए चीन से आयातों की औसतों उत्तराई कीमत की तुलना जांच-अर्थवि के दौरान उत्पादित आईबीबी की उचित बिस्ती कीमत से की गई । यह अन्तर डम्पिंग माजिन से कम था और तदनुसार नामोदिष्ट प्राधिकारी ने विचार किया कि चीन जनवादी गणराज्य में उत्पादित आईबीबी के आयात पर 13.809 रु. प्रति मेट्रिक टन पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । यह मूल्योमा-शुल्क टैरिफ के कोड संख्या 2933.40.08 के अंतर्गत आती है ।

(ङ) यह शुल्क चीन जनवादी गणराज्य से उन नए या अन्य निर्यातकों पर भी लागू होगा जो माजिदा कार्रवाई में एक पार्टी नहीं रहे हैं ।

(च) सम्बन्धित पक्ष/निर्यातक प्रदान विचार इस निष्कर्ष के प्रकाशन के एक माह के भीतर भेज सकते हैं और प्राधिकारी के समक्ष मौखिक सुनवाई के लिए आवेदन कर सकते हैं ।

जे.के. बागचो, नामोदिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी तथा घरेलू मजिब

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th August, 1994

Preliminary Findings

Subject : Anti-dumping investigation concerning import of Isobutyl Benzene originating from Peoples Republic of China—preliminary findings.

No. 14/50/93/TDP— B. The Government of India.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1982 and the Customs Tariff

(Identification, Assessment and collection of Duty or Additional duty on dumped articles and for determination of Injury) Rules, 1985.

C. Procedure.—(i) Whereas the Designated Authority under the above Rules, received in August 1993 a written complaint from the Indian IBB Manufacturers' Association, Bombay, who account for the total indigenous production of Isobutyl Benzene in India, alleging dumping of Isobutyl Benzene, (hereinafter referred to as IBB) originating in the Peoples' Republic of China;

(ii) Whereas the Designated Authority announced by a Public Notice dated 7-1-1994 published in the Gazette of India, the initiation of an anti dumping proceeding concerning imports into India of IBB falling under heading 2933.40 of Schedule I of India, Customs Tariff Act, 1975 and No. 2933.04.08 under India Trade classification (Based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating from the Peoples' Republic of China.

(iii) Whereas the Designated Authority officially advised the concerned exporters and importers as known to the Designated Authority, the representatives of the exporting country and the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing and to request a hearing.

(iv) Whereas the Designated Authority addressed the questionnaire to elicit relevant information from the following exporters :

1. M/s. Shenyong Pesticide Factory, China.
2. M/s. Sinochem Lianoning, China.
3. M/s. Sinochem, Jilin Branch, China.
4. M/s. Tiajin Chemicals, Tianjin, China.
5. M/s. Fushu No. 4 Chemical Plant, Fushan, China.
6. M/s. Honshon Chemical Plant, Thianan Province, China.

(v) Whereas the Embassy of Peoples Republic of China in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and was requested to advise the exporters/producers from China to respond to the questionnaire by 28th February, 1994. The last date for responding to the questionnaire was unilaterally extended upto 31-3-94 to enable the exporters to send a response. The last date was again extended to 30th April 1994 at the request of the Chinese Ministry of Foreign Trade and Economic Cooperation. Accordingly, the date of public hearing was also postponed from 18th April, 1994 to 18th May, 1994. The exporters neither sent in their response nor attended the public hearing held on 18th May, 1994.

(vi) Whereas the questionnaire was also sent to the known importers and users of IBB and to the Bulk Drugs Manufacturers' Association, Hyderabad. The public hearing held on 18th May, 1994 was attended by the representatives of the petitioner domestic industry and the following importers : (i) M/s. Sunitra Pharmaceuticals and Chemicals Ltd., (ii) M/s. Cheminor Drugs Ltd. and (iii) M/s. C. Well Drugs Pvt. Ltd.

2. The petitioners highlighted the following points :

(a) That no representative of the exporter/exporting country i.e. Peoples Republic of China was present at the hearing nor did they respond to the questionnaire;

(b) That the export price of IBB originating from the Peoples' Republic of China was continuously falling and was also below their normal value;

(c) That imports from China had caused material injury to the Indian producers in that the Indian producers had been compelled to reduce domestic price below their fair selling price and hence were suffering substantial losses;

(d) That the provisions of Section 9B (1) of the Customs Tariff Act (proving of injury) were not applicable to China in the absence of the relevant notification by the Central Government.

3. The views expressed by IBB importers and users and their association in the public hearing and in their written submissions were briefly as follows :

(a) That the Government of India had notified Peoples Republic of China for the purpose of Section 9B (1) of the Customs Tariff Act, 1975 in June 1994 and hence it was necessary to establish injury to the domestic industry.

(b) That IBB was imported for manufacture and export of Ibuprofen. India had emerged as a major producer and exporter of Ibuprofen after USA and UK. Imposition of anti dumping duty might affect exports of Ibuprofen causing problem to the usr industry.

(c) That the Indian IBB manufacturers were not operating at optimum levels resulting in extra overheads and high cost.

(d) That there was inadequate material for determining normal value.

(e) That the international prices of IBB were ruling at a similar level.

Finding of the Designated Authority.

4. The Designated Authority (D.A.), having considered the arguments and counterarguments highlighted above as well as having perused the relevant records, found that :

(i) People Republic of China has been notified under Section 9B(1) and hence keeping in mind the MFN agreement, no procedural distribution should be made. Dumping, injury and causal relationship would, therefore, have to be proved. The Designated Authority has gone by the above requirements as will be seen from the recitals below.

(ii) The Indian IBB producers have had to sell below their Fair Selling Price has not been disputed.

(iii) That the cost of Indian IBB may not be optimum because of low capacity utilisation may be true in 1992-93. However, in 1993-94 the capacity

utilisation was 92 per cent. The Designated Authority has given due weightage to this aspect while determining material injury to the domestic industry.

(iv) The argument of the importers that there was inadequate material for determining normal value was not substantiated.

5. The D.A. sought and verified information deemed necessary for the purpose of the preliminary determination. To this end an investigation was carried out at the premises of the following domestic producers:

(i) M/s. Vinati Organics Ltd.

(ii) M/s. Herdillia Chemicals Ltd.

The investigation covered the period from 1st April, 1993 to 31st December, 1993.

7. In the absence of any response from the exporters, the Designated Authority has made the preliminary finding on the basis of the information available to it as per Rule 14 supra.

E. Product under consideration, like product and Indian Industry :

(a) Product under consideration and like product.

8. The product covered by the investigation is Isobutyl Benzene falling under heading 2933.40 of schedule I of Indian Customs Tariff Act, 1975 and No. 2933.40.08 under Indian Trade Classification (Based on Harmonised Commodity Description and coding system).

9. This product is manufactured out of toluene, propylene, methanol, potassium carbonate, sodium metal etc. It is an organic, aromatic, neutral, colourless liquid having a specific gravity of around 0.852. It is also known as 2-methyl-1 phenylpropene. It is used in the manufacture of ibuprofen—an analgesic, anti-inflammatory drug. By and large IBB exported from Peoples Republic of China is alike in all respects to the IBB produced and marketed in India.

E. Indian Industry :

10. The petition has been filed on behalf of M/s. Vinati Organics Ltd., B-12 and B-13/1, MIDC Industrial Area, Mahad-402301, Distt. Raigad, Maharashtra and M/s. Herdillia Chemicals Ltd., Air India Building, Nariman Point, Bombay-400021. In India, IBB is manufactured by these two producers only and hence they constitute domestic industry in accordance with Rule 2(c) of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1985.

F. Normal Value :

1. The petitioners did not furnish information on domestic prices of IBB in China nor did they furnish the comparable price of the product when exported to any other, third country, as China was a non-market economy. They had suggested that normal value be determined as per their Cost of productions.

As details of cost of production in China were also not available and as none of the exporters furnished factual information in response to the questionnaire sent to them, the Designated Authority decided to determine the normal value on the basis of best available information in India about the cost of production of IBB. The normal value was determined as the ex-factory level.

G. Export Price :

12. Since none of the exporters responded to the Authority's request to make available the relevant information, the export price was determined on the basis of the price actually paid for the product sold as reported by the petitioners which were found to be reliable. The export price was also correlated with the data submitted by the three importers who responded to the questionnaire. The cif export price, was adjusted for insurance and freight for working out the f.o.b. price. The FOB price was treated as ex-Factory price in the absence of data on the cost of inland transportation.

H. Comparison :

13. For the purpose of a fair comparison between the normal value and export price and in accordance with Section 9(A) (2) of the Customs Tariff Act and Rule 14 supra, the Authority took into account the best available information with it in the absence of any response from the exporters in People's Republic of China who were given ample opportunity to make available the relevant information from their end. The average export price obtained during the period of investigation was compared with Normal price.

I. Dumping Margin :

14. The Normal value (at ex-factory level) as determined above was compared with the average FOB price (which was also the ex-factory level price) obtained during the period of investigation. The Designated Authority determined the margin of dumping @ 39.5 per cent of the average cif value of the imports.

J. Injury :

15. Under Rule 18 supra, when a finding of injury is arrived at, "such finding shall involve an examination of facts which the Designated Authority considers relevant under the circumstances including the volume of dumped imports and their effect on prices in the domestic market for like products and the consequent impact of such imports on domestic producers of such products". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of an identical product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

16. For the examination of the impact on the industry in India, the Designated Authority considered such indices having a bearing on the state of

industry as production trend, capacity utilisation, sales, stock, profitability and net sales realisation.

K. Trend of Imports—Volume and Price effect

17. (a) Petitioners have alleged that import of IBB originating from the Peoples' Republic of China increased from 162.06 MT in 1990-91 to 783 MT. in 1991-92 and to 731.95 in 1992-93.

(b) During April to December 1993, the imports from Peoples' Republic of China declined to 287 MT. The reason for decline in imports, despite the decrease in adverage import price, is attributable to the availability of indigenous product at lower rate consequent upon the coming up of domestic industry in later half of 1992. The price of IBB from China has shown a marked decline between 1990 and 1993-94. The average price which was \$ 3098 per MT in 1990, fell to \$ 2757 in 1991, \$ 2458 in 1992-93 and to \$ 1945 per MT during the period of investigation. The price in 1993-94 fell by 37 per cent with reference to 1990 and by 20.8 per cent with reference to 1992-93.

L. Production Trend and Capacity Utilisation :

18. The Indian industry for IBB started production only in July 1992. The total production of Iso-butyle benzene was 860 MT in 1992-93 (9 months) and 1512 MT in 1993-94 (April to December 1993) which shows a rising trend. The capacity utilisation has increased from 54 per cent to 92 per cent.

M. Sales Trend

19. The total sales of IBB show a rising trend from 717 MT in 1992-93 (9 months) to 1607 MT during April-December 1993.

N. Price Trend

20. The Indian industry was able to realise Rs. 121.03 per kg. on an average on its sales in 1992-93. In 1993-94, the average price fell to Rs. 85.96 per kg., a fall of 29 per cent which is directly attributable to the fall in prices of IBB imported from China.

O. Stock Trend

21. The closing stock of IBB was 140.3 MT on 31st March 1993 and 57.4 MT on 31st December 1993 showing a declining trend.

P. Profitability Trend and Net Sales Realisation

22. (a) Both the companies constituting the domestic industry incurred losses in 1992-93 and in 1993-94. The loss aggravated steeply in 1993-94 due to the lower average prices. The total losses increased from Rs. 249.71 lakhs in 1992-93 to Rs. 284.39 lakhs in 1993-94 despite increased production and sales.

(b) The domestic industry has, thus, to reduce its selling prices substantially to, by and large, match it with the imported price of IBB to remain in the market. This has resulted in huge losses to the newly

created domestic industry. The following table establishes this trend :

Period	Average landed price	Average domestic price
	Rs. per kg.	Rs. per kg.
May 93	104.60	94.41
June 93	93.62	84.40
Oct. 93	89.80	81.20
Dec. 93	85.41	78.14

It is evident from the above that the average domestic price of Rs. 121 in 1992-93 had to be brought down in 1993-94 in line with the falling prices of IBB from Peoples Republic of China. Evertime the price was reduced by the Indian industry, the prices were further reduced by the exporter from Peoples Republic of China.

Q. Cost of Production and Fair Selling Price

23. The Designated Authority found that the falling import prices prevented the domestic prices from increasing to meet even the cost of production. The price suppression was around Rs. 21,093/- PMT based on the Fair Selling Price of IBB produced by the most efficient unit among the domestic producers.

R. Injury

24. Even though the quantum of imports from China have come down and factors such as production, capacity utilisation, sales and stock trend of the domestic industry have shown improvement, the Designated Authority found that price was the most important factor to customers in determining the source of supply. Therefore, the improvement in production, sales etc. were a direct consequence of the lowering of the prices by domestic industry to match the imported price. The domestic producers have been prevented from selling at a price level which would allow reasonable profit to even the most efficient Indian producer. The Designated Authority is, thus, led to the inescapable conclusion that the pricing of the dumped imports have caused material injury to the domestic producers.

S. Causal Link

25. In determining whether material injury to Indian industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts :

(i) Price depression of imports which occurred over the last few years became more severe since the two Indian producers started manufacturing Isobutyl benzene ; and

(ii) Price undercutting by these exporters, below normal value forced the domestic industry to reduce its selling price to a level below its cost of production to market its product and coincided with the coming into existence of the domestic industry.

T. Indian Industry's Interest

26. (a) The purpose of anti dumping duties is in general to eliminate dumping which is causing injury to the Indian industry and to reestablish the situation

of open and fair competition on the Indian market which is in the general interest of the country.

(b) The Authority recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured out of IBB and exported and consequently might have some influence on relative competitiveness of their products in the export market. However, it is not envisaged that fair competition, on the Indian market will be reduced by the anti dumping measures particularly if the levy of the anti dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury. On the contrary, the removal of the unfair advantages gained by dumping practices is designed to prevent the decline of the Indian industry and thus to help maintain the availability of the widest choice to the consumers.

(c) In view of the fact that when capacity has been created for the first time to manufacture IBB indigenously, the Indian industry has been forced into the unhealthy situation caused by the dumped imports, the Authority considers that in the absence of intervention, the disappearance of Indian industry is quite possible. This could lead to reduction of the choice of suppliers which is not in the interest of users.

U. Interest of other parties :

27. (a) Arguments have been raised that the imposition of anti dumping measures would be contrary to the Indian public interest because they would result in less competition, higher prices for consumers of Ibuprofen and may harm India's exports.

(b) Although it is clear that price advantages based on unfair practices are unjustifiable and may in the longer term be harmful even to the interest of consumers when they have the effect on weakening competitors and promoting their disappearance. There has been earlier experience in many commodities that once the domestic industry disappeared prices were artificially increased for the consumers. In any case for the consumers of Ibuprofen the imposition of protective or punitive measures will not result in substantial higher prices since Isobutyl benzene is only one of the raw materials which had to be processed before reaching the consumer.

(c) As far as the processing industry is concerned, the extent of any price rise is expected to be limited in view of the fact that a competition between the Indian producers and exporters will not be reduced.

Finding :

28. (a) The Authority accordingly has come to the conclusion that :

- (i) Exporters from Peoples' Republic of China have sold IBB in India below normal value;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury; and
- (iii) that the dumped imports were the cause of the material injury suffered by Indian industry.

(b) In conclusion, the Authority considers that the imposition of anti-dumping measures in the present case will reestablish fair competition by eliminating the injurious effects of dumping practices.

(c) The Authority considers it necessary to impose a provisional anti dumping duty in order to remove the material injury to the domestic industry. The export price, normal value and the margin of dumping in this case were determined by the Designated Authority as :

	\$/MT	Rs./MT
Normal value	2603	81995
Export Price	1834	57771
Margin of Dumping	769	24224

(d) The Designated Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury. For this purpose, the

average landed price of the Chinese imports was compared with the fair selling price of IBB produced during the period of investigation. This difference was less than the dumping margin and accordingly the Designated Authority considers that an anti dumping duty of Rs. 13,809 per MT be imposed on imports of IBB originating in the Peoples Republic of China falling under Code No. 2933.40.08 of the Custom Tariff.

(e) This duty would also be applicable to new or any other exporter from People Republic of China who are not parties to the present proceedings.

(f) The parties/exporters concerned may make known their views and apply to be heard orally by the Authority within one month of the publication of this finding.

J. K. BAGCHI, Designated Authority of anti
Dumping Additional Secy.

